PUBLICATION NAME :	Rajasthan Patrika
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	05/09/2023
PAGE :	2

ईडीआइआइ के प्रोफेसर डॉ.सत्य रंजन आचार्य से बातचीत

स्टार्टअप बेहतर करियर, स्कूल स्तर से ही प्रेरित करना जरूरी

पत्रिका साक्षात्कार

आज वर्ष 2023 के श्रेष्ठ राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड से होंगे सम्मानित

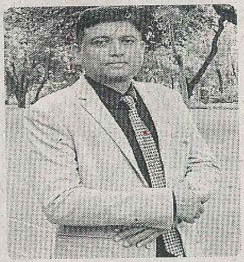

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के प्रोफेसर डॉ.सत्य रंजन आचार्य को उद्यमिता-स्टार्टअप के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए वर्ष 2023 का श्रेष्ठ राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड देने की घोषणा की गई है। मंगलवार को शिक्षक दिवस पर वे इस अवार्ड से सम्मानित होंगे। डॉ.आचार्य का कहना है कि डॉक्टर, इंजीनियर की तरह ही स्टार्टअप (उद्यमिता) भी बेहतर करियर विकल्प है। जरूरत लोगों और युवाओं को समझने की है। गुजरात सरकार ही नहीं, भारत सरकार और ज्यादातर राज्य सरकारों ने इसकी अहमियत की समझी है। आज हर राज्य में स्टार्टअप सपोर्ट सिस्टम, इन्क्यूबेशन इकोसिस्टम उपलब्ध है। पेश है डॉ.सत्य रंजन आचार्य से पत्रिका संवाददाता **नगेन्द्र सिंह** की बातचीत के चुनिंदा अंशः।

Q. गुजरात सरकार ने स्कूल स्तर से स्टार्टअप सपोर्ट देने की नीति बनाई है? इसे कैसे देखते हैं?

यह बेहतर कदम है। मेरा मानना है कि आज के समय में यह सबसे जरूरी है कि बच्चों को स्कूल स्तर पर ही स्टार्टअप की समझ दी जाए। उन्हें प्रेरित किया जाए। यदि देशभर में बच्चों को स्कूल स्तर से ही अपने आसपास की समस्या की समझ दी जाए तो वे उसे हल करने के बारे में सोचेंगे। अपने इस विचार को वे स्टार्टअप का रूप देकर काफी आगे बढ़ सकते हैं। उन्हें भारत की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक स्थिति, इससे जुड़ी समस्याओं और जरूरतों को चिन्हित कर उन्हें हल करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके सामने स्टार्टअप को करियर विकल्प के रूप में उपलब्ध कराना चाहिए। सरकारों ने इसकी महत्ता समझी है। काफी बेहतर सुविधाएं, मार्गदर्शन, मदद भी दे रही है। लोगों को समझने की जरूरत है। यदि 10 में से एक भी स्टार्टअप सफल होता है तो इससे काफी फायदा होगा। यह एक लंबी प्रक्रिया है।

Q. देश में स्टार्टअप के लिए सरकारी प्रयासों से क्या फायदा हो रहा है? और क्या करने की जरूरत है?

स्टार्टअप के लिए सरकारी प्रयास, सुविधाओं से काफी फायदा हुआ है। गुजरात ही नहीं हर राज्य में केन्द्र या राज्य सरकार स्टार्टअप, इनोवेशन के लिए किसी न किसी रूप में युवाओं को मददरूप हो रही है। अवसर बढ़े हैं। युवा भी आगे आ रहे हैं। अभी भारत को स्टार्टअप इकोसिस्टम पर फोकस किए हुए 10 साल भी नहीं हुए हैं। इतने कम समय में ही हम विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गए हैं। भारत 125-130 यूनिकॉर्न बना चुका है। गुजरात भारत का सबसे श्रेष्ठ स्टार्टअप इकोसिस्टम है। आज हर क्षेत्र में स्टार्टअप आ रहे हैं, फिर चाहे वह आईटी हो आईटीएस हो, स्पेश साइंस, रिमोट सेंसिंग, एग्रीकल्चर सेक्टर हो या हेल्थ, एजूकेशन व अन्य क्षेत्र हैं। 2016 में भारत सरकार बार स्टार्टअप पॉलिसी लेकर आई।

Q. उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए क्या ईडीआईआई जैसे और संस्थानों की जरूरत है?

बहुत जरूरत है। यूं तो ईडीआईआई देश के ज्यादातर राज्यों में किसी न किसी रूप में अपनी पहुंच के जरिए उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है, लेकिन यदि राज्य स्तर पर ऐसे संस्थान बनते हैं, तो इसका काफी फायदा होगा।

Q. नई शिक्षा नीति में वोकेशनल ट्रेनिंग को तवज्जो दी है। इसे कैसे देखते हैं?

नई शिक्षा नीति में वोकेशनल ट्रेनिंग को तवज्जो दी गई है इससे स्टार्टअप के विकास में काफी मदद मिलेगी।